भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

लिखित प्रश्न सं. 3024

गुरूवार, 13 अगस्त, 2026/22 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**पंजाब में पर्यटन परिपथ का संवर्धन**

**3024 श्री सतनाम सिंह संधूः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पंजाब में एक व्यापक पर्यटन परिपथ विकसित करने पर विचार कर रही है, जिसमें चंडीगढ़, श्री आनंदपुर साहिब, अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर और वाघा बॉर्डर जैसे प्रमुख गंतव्य स्थल शामिल हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पर्यटकों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने हेतु इन गंतव्य स्थलों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेष रूप से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस पर्यटन परिपथ को बढ़ावा देने हेतु विशिष्ट कार्यक्रमों या सहयोगों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): मंत्रालय ने 15 चिह्नित विषयगत परिपथों के तहत पर्यटन अवसंरचना के एकीकृत विकास के लिए, वर्ष 2014-15 में, स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत, "आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर-खटकर कलां - कलानौर - पटियाला" के विकास की परियोजना को 2018-19 में 85.32 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई थी और इस परियोजना के भौतिक रूप से पूरी होने की सूचना है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा देश में गंतव्य और पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करते हुए, सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्य को विकसित करने के उद्देश्य से, स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया गया है। इसके अलावा,

स्वदेश दर्शन 2.0 की एक उप-योजना के रूप में चुनौती-आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) भी 4 श्रेणियों अर्थात् पारिस्थितिकी पर्यटन एवं अमृत धरोहर, आध्यात्मिक पर्यटन, संस्कृति एवं विरासत तथा जीवंत ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत आरंभ किया गया है। स्वदेश दर्शन 2.0 और सीबीडीडी योजनाओं के अंतर्गत, पंजाब राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

प्रभावी और पर्याप्त संपर्कता किसी पर्यटन गंतव्य के विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। इस विषय में पर्यटन मंत्रालय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय और अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर काम करता है, ताकि, पर्यटकों के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने हेतु बेहतर संपर्कता, अंतिम छोर तक संपर्कता आदि सुनिश्चित की जा सके।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा नागर विमानन मंत्रालय के साथ मिलकर अपने क्षेत्रीय संपर्कता योजना- उड़े देश के आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के तहत बेहतर हवाई संपर्क प्रदान करने के लिए पंजाब राज्य सहित देश में 53 पर्यटन मार्गों की पहचान की गई है।

पर्यटन मंत्रालय भारत का एक समग्र पर्यटन गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय पंजाब सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों का प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया, वेबसाइटों तथा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से भी करता है।

*******

**अनुबंध**

श्री सतनाम सिंह संधू द्वारा पंजाब में पर्यटन परिपथ के संवर्धन के संबंध में दिनांक 13.08.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3024 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

**(i) पंजाब राज्य में 'स्वदेश दर्शन 2.0' योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**:

| **क्र. सं.** | **गंतव्य** | **अनुभव का नाम** | **स्वीकृति तिथि** | **स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अमृतसर | अटारी में सीमा पर्यटन अनुभव | 20.08.2024 | 25.91 |
| 2. | कपूरथला | कांजिली वेटलैंड में पारिस्थितिकी पर्यटन अनुभव | 05.03.2024 | 19.56 |

**(ii) पंजाब राज्य में एसडी 2.0 योजना की उप-योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**:

| **क्र. सं.** | **गंतव्य/श्रेणी** | **अनुभव का नाम** | **स्वीकृति तिथि** | **स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|---|---|
| 1. | रूपनगर (आनंदपुर साहिब) (आध्यात्मिक पर्यटन) | विरासत मार्ग - श्री आनंदपुर साहिब में शांति और सद्भाव का प्रतीक | 27.03.2025 | 24.90 |
| 2. | फिरोजपुर (हुसैनीवाला बॉर्डर) (संस्कृति एवं विरासत) | हुसैनीवाला बॉर्डर में संस्कृति और विरासत वाला हिस्सा | 27.03.2025 | 25.00 |

******